

वैश्विक अवसंरचना और नविश के लिये साझेदारी

प्रलिमिन्स के लिये:

बलिड बैंक बेटर वर्ल्ड (B3W), PGII, BRI, चाइना-पाकस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC), सलिक रोड इकोनॉमिक बेल्ट, क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी फंड, श्रीलंका में हंबनटोटा पोर्ट

मेन्स के लिये:

PGII के स्तंभ, PGII से भारत को लाभ, बेल्ट रोड इनशिएटिवि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 48वें G-7 शिखर सम्मेलन में G7 सहयोगियों के साथ अमेरिका ने वैश्विक अवसंरचना और नविश के लिये साझेदारी (PGII) का अनावरण किया।

पृष्ठभूमि:

- अमेरिका ने अपने सहयोगियों के साथ विकासशील दुनिया में 40 ट्रिलियन डॉलर के बुनियादी ढाँचे के अंतर को कम करने के उद्देश्य से 2021 **बैलिड बैंक बेटर वर्ल्ड (B3W)** के शुभारंभ की घोषणा की थी।
 - इसलिये ग्लोबल इनफ्रास्ट्रक्चर और नविश के लिये साझेदारी B3W योजना का पुनः लॉन्च किया गया है।
- PGII को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर व व्यापार परियोजनाओं के निर्माण के लिये चीन के मल्टी ट्रिलियन डॉलर के **बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि (BRI)** हेतु G-7 के वरिधी के रूप में देखा जा रहा है।

वैश्विक अवसंरचना और नविश के लिये साझेदारी:

- परिचय:**
 - PGII एक "मूल्य-संचालित, उच्च-प्रभाव और पारदर्शी बुनियादी ढाँचा साझेदारी है जो नमिन एवं मध्यम आय वाले देशों की विशाल बुनियादी ढाँचे की जरूरतों को पूरा करती है।
 - संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों के आर्थिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का समर्थन करते हैं।
 - PGII के तहत G-7 विकासशील और मध्यम आय वाले देशों को "गेम-चेंजिंग" और "पारदर्शी" बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये 2027 तक 600 बिलियन डॉलर जुटाएगा
 - अमेरिकी राष्ट्रपति ने PGII के लिये अगले पाँच वर्षों में अनुदान, सार्वजनिक वित्तपोषण और नज्दी पूंजी के तहत 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की।
 - यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष ने इसी अवधि में इस साझेदारी के लिये 300 अरब यूरो जुटाने की यूरोप की प्रतिबद्धता की घोषणा की।
- पीजीआईआई (PGII) के स्तंभ:**
 - पहला:** G-7 समूह का उद्देश्य जलवायु संकट से निपटना और **सुवच्छ ऊर्जा** आपूर्ति शृंखलाओं के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
 - दूसरा:** यह परियोजनाओं का डिजिटल **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी जो 5 जी और 6 जी इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा साइबर सुरक्षा जैसी तकनीकों को सुवधाजनक बनाती है।
 - यूरोप और लैटिन अमेरिका को जोड़ने के लिये **फाइबर-ऑप्टिक केबल** परियोजना।
 - तीसरा:** परियोजनाओं का उद्देश्य लैंगिक समानता और समानता को बढ़ाना है।
 - लैंगिक समानता:** इसके लिये सामाजिक रूप से मूल्यवान वस्तुओं, अवसरों, संसाधनों और पुरस्कारों द्वारा महिलाओं व पुरुषों दोनों को समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता होती है।
 - लैंगिक समानता:** इसके अनुसार प्रत्येक व्यक्त की अलग-अलग परिस्थितियाँ होती हैं तथा यह समान परिणाम तक पहुँचने के लिये आवश्यक सटीक संसाधनों और अवसरों को आवंटित करता है।
 - चौथा:** परियोजना वैश्विक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे के उन्नयन पर जोर देती है।

- यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (DFC), G-7 राष्ट्रों और EU के साथ सेनेगल में वैक्सीन सुवधा उपलब्ध करने हेतु 3.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान वितरित कर रहा है।
- यूरोपीय आयोग की ग्लोबल गेटवे पहल भी PGII का समर्थन करने वाली परियोजनाओं को संचालित करती है- जैसे लैटिन अमेरिका में [एमआरएनए वैक्सीन संयंत्र](#)।

■ भारत को लाभ:

- यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन (**Development Finance Corporation-DFC**) ओमनवैर एग्रीटेक और क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी फंड में 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का निवेश करेगा।
 - **क्लाइमेट सस्टेनेबिलिटी फंड:** यह एक इम्पैक्ट वेंचर कैपिटल फंड है जो भारत में कृषि, खाद्य प्रणाली, जलवायु और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नरिमाण को बढ़ावा देने वाले उद्यमों में निवेश करता है।
 - फंड उन कंपनियों में निवेश करता है जो भारत में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देती हैं और जलवायु लचीलापन तथा अनुकूलन दोनों को बढ़ावा देती हैं तथा यह छोटे जोत वाले खेतों की लाभप्रदता व कृषि उत्पादकता में भी सुधार करेगी।
- **आमनवैर एग्रीटेक:** यह एक प्रौद्योगिकी संचालित कृषि पद्धति है जो कृषि समृद्धि को बढ़ाएगी और कृषि को अधिक लचीला और टिकाऊ बनाने के लिये खाद्य प्रणालियों को बदल देगी।
 - इसमें किसान मंच, सुस्पष्ट सटीक कृषि, कृषि-बायोटेक आदि शामिल हैं।

PGII का मुकाबला चीन की BRI से:

■ परियोजना:

- PGII ने जलवायु कार्रवाई और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया है, जबकि चीन ने सौर, पनबज्जिली और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के साथ-साथ BRI के तहत [कोयले से चलने वाले बड़े संयंत्र](#) बनाए हैं।

■ वित्तपोषण:

- PGII का लक्ष्य अनुदान और निवेश के माध्यम से परियोजनाओं का नरिमाण करना है। चीन उन देशों को बड़े कम ब्याज वाले ऋण देकर BRI की परियोजनाओं का नरिमाण करता है जिनमें आम तौर पर 10 वर्षों में भुगतान करना पड़ता है।
- जबकि G-7 ने 2027 तक 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वादा किया है, यह अनुमान लगाया गया है कि उस समय तक BRI के लिये चीन का कुल वित्तपोषण 1.2 अमेरिकी डॉलर से 1.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकता था, जबकि वास्तविक वित्तपोषण अधिक था। PGII के तहत नजी पंजी भी जुटाई जाएगी, जबकि चीन का BRI प्रमुख रूप से राज्य द्वारा वित्तपोषित है।

■ पारदर्शिता:

- G-7 नेताओं ने PGII परियोजनाओं की आधारशिला के रूप में 'पारदर्शिता' पर जोर दिया, BRI को बड़े पैमाने पर ऋण देने के लिये देशों को गोपनीय नविदाओं पर हस्ताक्षर करने हेतु आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिससे देश चीन के ऋणी हो गए।
 - उदाहरण के लिये BRI के प्रमुख 62 बिलियन अमेरिकी डॉलर के [चीन-पाकस्तान आर्थिक गलियारे](#) के बाद पाकस्तान पर अपने वदेशी ऋण का एक बड़ा हिससा बीजगि का बकाया है।
 - PGII का लक्ष्य अनुदान और निवेश के माध्यम से परियोजनाओं का नरिमाण करना है।

बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि (BRI):

■ परिचय:

- [बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि \(BRI\)](#) एक महत्त्वाकांक्षी परियोजना है जो एशिया, अफ्रीका और यूरोप के महाद्वीपों में फैले कई देशों के बीच संपर्क व सहयोग पर केंद्रित है। BRI करीब 150 देशों (चीन का दावा) में फैला है।
 - प्रारंभ में वर्ष 2013 में घोषित इस परियोजना में रोडवेज, रेलवे, समुद्री बंदरगाहों, पावर ग्रिड, तेल और गैस पाइपलाइनों तथा संबंधित बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के नेटवर्क का नरिमाण शामिल है।

■ परियोजना में दो भाग शामिल:

- **सलिक रोड इकोनॉमिक बेल्ट:** यह भूमि आधारित है और चीन को मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और पश्चिमी यूरोप से जोड़ने की उम्मीद है।
- **21वीं सदी का समुद्री रेशम मार्ग:** यह समुद्र आधारित है और चीन के दक्षिणी तट को भूमध्यसागरीय, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया से जोड़ने की उम्मीद है।

■ चीन के लिये BRI का महत्त्व:

- बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि (BRI) वैश्विक, राजनीतिक और रणनीतिक प्रभाव के लिये अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के रूप में चीन की आर्थिक व औद्योगिक ताकत का द्योतक है।
- जैसे-जैसे घरेलू अवसंरचना पर खर्च कम टिकाऊ होता गया, चीन ने घरेलू व्यवसायों की वैश्विक प्रतस्पर्द्धा को बढ़ावा देने पर जोर दिया।
 - कम वकिसति और वकिसशील देशों में बड़े बुनियादी ढाँचे के निवेश ने चीन को दुनिया भर में अपने प्रभाव का लाभ उठाने में सक्षम बनाया है, संभावित रूप से वैश्विक व्यवस्था के स्थापित नियमों को बदल दिया है और पश्चिमी शक्तियों को चुनौती दी है।
- बीआरआई यूरेशियन क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को मजबूत करेगा और इसे एशिया के हृदय क्षेत्र पर एक कमांडिंग स्थिति में रखेगा।

■ आलोचना:

- पश्चिमी आलोचकों ने इस पहल को नव उपनिवेशवाद या 21वीं सदी के लिये मार्शल योजना के रूप में वर्णित किया है।
- बीआरआई को चीन की ऋण जाल नीति के एक भाग के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसमें चीन जान-बूझकर करजदार देश से आर्थिक या राजनीतिक रियायतें प्राप्त करने के इरादे से दूसरे देश को अत्यधिक ऋण देता है।

भारत के BRI में शामिल न होने का कारण:

- चीन-पाकस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) BRI की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है, जसि भारत अपनी संप्रभुता के उल्लंघन के रूप में देखता है।
 - सीपीईसी कश्मीर विवाद में पाकस्तान की वैधता में मदद कर सकता है।
- चीन गलियारि-बाल्टस्तान के विवादित क्षेत्र में सड़कों और बुनियादी ढाँचे का निर्माण कर रहा है, जो पाकस्तान के नियंत्रण में है लेकिन भारत जम्मू-कश्मीर का हिस्सा होने का दावा करता है।
- यदि सीपीईसी परियोजना सफलतापूर्वक लागू हो जाती है, तो इससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों में बाधा आएगी। यह भारत को घेरने की बीजगि की रणनीतिक महत्त्वाकांक्षा को पूरा करेगा।
 - दक्षिण एशियाई क्षेत्र में चीन के बढ़ता प्रभाव भारत की रणनीतिक पकड़ के लिये हानिकारक है, उदाहरण के लिये श्रीलंका में हंबनटोटा बंदरगाह के निर्माण ने चीन को हृदि महासागर में एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक स्थान प्रदान किया है।



स्रोत: द हृदि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/partnership-for-global-infrastructure-and-investment-pgii>